मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–111

बी.ए . (ऑनर्स) संस्कृत
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2026
बी.एस.के.सी.-111 : वैदिक साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं। **तीनों** खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड –क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : $4 \times 10 = 40$

(i) अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्॥

अथवा

ऋतस्य बुध्ने उषसामिषण्यन्वृषा मही रोदसी आ विवेश।
मही मित्रस्य वरुणस्य माया चन्द्रेव भानुं विदधे पुरुत्रा॥

(ii) यः प्राणतो निमिषतो महित्वैक इद्राजा जगतो बभूव।

य ईशे अस्य द्विपदश्चतुष्पदः कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

अथवा

प्रावेणा मा बृहतो मादयन्ति प्रवातेजा इरिणे वर्वृताना:।

सोमस्येव मौजवतस्य भक्षो विभीयको जागृविर्मह्यमच्छान्॥

(iii) यो वः सेनानीर्महतो गणस्य राजा व्रातस्य प्रथमो बभूव।

सस्मै कृणोमि न धना रूणध्मि दशाहं प्राचीस्तदृतं वदामि॥

अथवा

ये कर्माण्यपसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीरा:।

यदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानां तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

(iv) सत्यमेव जयते नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयान:।

येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा यत्र तत् सत्यस्य परमं निधानम्॥

अथवा

गिरयस्ते पर्वता हिमवन्तोऽरण्यं ते पृथिवि स्योनमस्तु।
बभ्रुं कृष्णां रोहिणीं विश्वरूपां ध्रुवां भूमिं
पृथ्वीमिन्द्रगुप्ताम्।
अजीतोऽहतो अक्षतोऽध्यष्ठां पृथ्वीमहम्॥

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$2 \times 20 = 40$

(i) अथर्ववेद के भूमि सूक्त का स्वरूप वर्णन कीजिए।

अथवा

अग्नि सूक्त का सार अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मुण्डकोपनिषद्' के अनुसार जगत् और ब्रह्म के अ-भेद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मुण्डकोपनिषद्' के अनुसार आत्मतत्त्व का स्वरूप व उसको जानने के उपयों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(टिप्पणयात्मक प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(i) वैदिक क्त्वार्थक प्रत्यय

(ii) वैदिक शब्दरूप

(iii) वैदिक स्वराङ्कन पद्धतियाँ

(iv) वैदिक स्वरपरिवर्तन के सामान्य नियम

× × × × ×